वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 19 | गुरुवार 18 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## जयपुर के 4697 स्टूडेंट्स को मिली सप्लीमेंट्री

### 8वीं बोर्ड रिजल्ट में आठवें स्थान पर रहा जयपुर, 96.15% रहा राजधानी के छात्रों का परिणाम

**जयपुर. कासं**

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने बुधवार को आठवीं बोर्ड का परिणाम जारी कर दिया। इस परीक्षा में जयपुर ने प्रदेश में आठवां स्थान हासिल किया है। प्रदेश में सात जिलों का प्रदर्शन ही जयपुर से अच्छा रहा है। जयपुर जिले का कुल परिणाम 96.15 फीसदी रहा। जयपुर से कुल 1,24,011 स्टूडेंट्स ने आठवीं बोर्ड की परीक्षा दी थी। इनमें से 1,19,232 छात्र पास हुए। 4697 स्टूडेंट्स की सप्लीमेंट्री आई और 82 स्टूडेंट्स का परिणाम बाद में जारी किया जाएगा। जयपुर जिले से सर्वाधिक और जैसलमेर से सबसे कम स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हुए। शिक्षामंत्री बीडी कल्ला ने परिणाम जारी करने के बाद ए-ग्रेड हासिल करने वाली अजमेर की सबरीन बानो और उदयपुर के जय सोनी को बधाई दी। शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने बताया कि आठवीं बोर्ड का परिणाम रिकॉर्ड समय में जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम शाला दर्पण पोर्टल पर पांचवीं व आठवीं के रिजल्ट टैब पर उपलब्ध रहेगा। उधर, बीकानेर से सबसे अधिक छात्रों का परिणाम फिलहाल रोका गया है। बीकानेर जिले के 554 स्टूडेंट्स का रिजल्ट बाद में जारी कर दिया जाएगा। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं की ओर से जिलेवार परिणाम में कुल छात्र, कुल पास, सप्लीमेंट्री और परिणाम बाद में घोषित किए जाने वाले छात्रों की संख्या दी गई है।

## जय जगन्नाथ-जय जगदीश

### एमएनआईटी जयपुर में सात दिवसीय युवा संगम 2 कार्यक्रम के समापन पर दिखा राजस्थान और ओडिशा की संस्कृति का अद्भुत समागम

**जयपुर. कासं**

एमएनआईटी जयपुर में बुधवार की शाम एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम 2 कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन समारोह पर राजस्थान एवं ओडिशा की संस्कृति का समागम देखने को मिला। कार्यक्रम में एमएनआईटी जयपुर की छात्राओं ने राजस्थानी लोक नृत्य घूमर की प्रस्तुति दी तो वहीं आईआईटी भुवनेश्वर से आए छात्र - छात्राओं के ग्रुप ने ओडिशा की प्रसिद्ध संबलपुरी नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह एमएनआईटी कैंपस के ए.पी.जे.अब्दुल कलाम हॉल में शाम 7 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा एवं एमएनआईटी जयपुर निदेशक प्रोफेसर एन.पी.पाढ़ी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समापन समारोह में जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीता राम लांबा एवं सीआईआई राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष अभिनव बांठिया कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम समापन के साथ आईआईटी भुवनेश्वर से आए 45 छात्रों का प्रतिनिधिमंडल 18 मई को वापिस ओडिशा के लिए लौट जाएंगे। वहीं कार्यक्रम में जोधपुर से आए कलाकारों ने पधारो म्हारे देश सहित कई राजस्थानी लोकगीत के साथ मनमोहक प्रस्तुति दी वहीं कलाकारों ने मंजीरा नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।कार्यक्रम में राजस्थानी

कलाकार श्यामला कालबेलिया, कंचन, हीरानाथ करननाथ असलम खान बरकत खान ने लोक नृत्य के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। ओडिशा से आए छात्रों के ग्रुप ने ओडिशा के पारंपरिक संबलपुरी नृत्य में भाग लिया । जिसमें शुभम, आदर्श, कार्तिकेय, अंशुमान, अन्वेषा, मौसमी, स्वप्निल आदि शामिल थे। एमएनआईटी जयपुर के छात्रों ने घूमर की प्रस्तुति दी। जिनमें प्रियांशु मीनू शिवानी यशस्वीनि छवि पलक अक्षिता भारती आकांक्षा ने हिस्सा लिया।

## ग्रेटर निगम की लापरवाही : प्रति हूपर 35 हजार खर्च

### नई सफाई व्यवस्था 30 दिन में पटरी पर आएगी, 24 घंटे में सड़ रहा कचरा

**जयपुर. कासं**

शहर में कचरा संग्रहण करने वाले हूपरों पर ग्रेटर नगर निगम 35 हजार रुपए से ज्यादा खर्च करने के बावजूद सफाई व्यवस्था को पटरी पर नहीं ला पा रहा है। इसके लिए अभी 30 दिन और लगेंगे। निगम के अधिकारियों का दावा था कि 20 अप्रैल से ग्रेटर निगम में कोई परेशानी नहीं आएगी। क्योंकि इस नई व्यवस्था को लागू कर दिया जाएगा। अब तक केवल झोटवाड़ा जोन में ही काम शुरू हुआ है। इसके लिए 66 नए हूपर लगाए हैं। इन पर 48 लाख रुपए प्रति महीने का खर्च किया जा रहा है। इससे 507 शिकायतों की संख्या अब 40 पर आ गई है, लेकिन विद्याधर नगर, सांगानेर, मानसरोवर

और जगतपुरा में अभी परेशानी बनी हुई है। यहां पर इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए एक महीने का और समय लगेगा। ऐसे में लोगों के घरों से कचरा नहीं उठने से काफी परेशानी हो रही है। वहीं शहर का तापमान भी लगातार बढ़ रहा है तो इसमें गीला कचरा जल्द ही सड़ने के कारण दुर्गंध व मक्खी-मच्छरों की संख्या बढ़ाने का भी कारण बन रहा है। बता दें कि 35 हजार रुपए अधिक किराए पर 220 हूपर लगाने का काम 20 अप्रैल तक पूरा करना था, लेकिन निगम के अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह प्रक्रिया एक महीने और डिले हो गई है। गौरतलब है कि पहले एक हूपर को 38 हजार रुपए चालक, लेबर व अन्य काम के दिए जाते थे। अब 73 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके बावजूद प्रक्रिया को लगातार डिले किया जा रहा है। नए हूपर आने से इनकी संख्या 290 होनी थी। ग्रेटर के 150 वार्डों में रोजाना 837 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। सफाई सुधार के लिए 7 जोन उपायुक्त, 13 मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक व 103 स्वास्थ्य निरीक्षक हैं, जिनकी निगरानी में 3217 सफाई कर्मचारी लगे हुए हैं। इतना सबकुछ होने के बावजूद लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है। प्रत्येक वार्ड में 2 से3 हूपर के हिसाब से करीब 340 हूपर लगे हुए हैं। फिर भी डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन नहीं हो पा रहा है। ना ही इनका समय तय है। कभी हूपर सुबह 8 बजे आ जाता है, तो कभी दोपहर बाद 3 बजे आता है।

**कहां कितने लगेंगे हूपर :** शहर के झोटवाड़ा के 66, सांगानेर में 40 और जगतपुरा में 62 नए हूपर लगाए जाएंगे। अभी झोटवाड़ा में काम शुरू हुआ है। मालवीय नगर और मुरलीपुरा में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर निगम काम कर रहा है।

**- अतुल शर्मा,**
**एक्सईएन गैराज ग्रेटर नगर निगम**

# महावीर पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन खेलकूद - शिविर का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** 15 मई से 14 जून तक विद्यालय प्रांगण में ग्रीष्मकालीन-खेल कूद शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, स्केटिंग, ताइक्वांडो, क्रिकेट और एरोबिक आदि विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रातः 6:30 से 8:30 तक आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बहुत ही अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस शिविर को लेकर प्रशिक्षार्थियों में बेहद उत्साह है। शिविर में 250-300 प्रशिक्षार्थी सुबह व शाम को प्रशिक्षण ले रहे हैं। परिषद् के सचिव सुनील बख्शी ने इस शिविर के आयोजन का उद्देश्य व्यक्त करते हुए सभी को यह अवगत करवाया है कि इस शिविर के द्वारा विद्यार्थी स्वयं को स्वस्थ एवं ऊजार्वान बनाए रखेंगे और खेल जगत में अपना भविष्य-निर्माण करेंगे।

# आदिनाथ भगवान के जयकारों से गूंजी गुलाबी नगरी की पावन धरा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अखिल भारतवर्षीय दि जैन युवा परिषद् हेरीटेज संभाग द्वारा गुलाबी नगरी की पावन धरा पर स्थित श्री दि जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोनियान बड़ी चौपड़ पर जयपुर जैन समाज के श्रावक श्राविकाओं ने रिद्धि सिद्धि मंत्रों द्वारा 48 दीपकों से संगीतमय श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान एवं 108 दीपकों से महाआरती का भव्य विशाल आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक विनोद वृत्तिका पापडीवाल ने अवगत कराया कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महावीर महिला मण्डल कालाडेरा द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुति से किया गया । इसके पश्चात प्रमुख समाजसेवी राजकुमार श्रीमती अरुणा सेठी, मंदिर अध्यक्ष

कमल दिवान ने आदिनाथ भगवान के समक्ष मुख्य दीप प्रज्ज्वलित किया एवं चतुर्थ कोण दीप प्रज्ज्वलन विमल सरोज, आनन्द सोनू, गजेन्द्र सुधा, श्रीमती शांति देवी जैन ने कर श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान का शुभारंभ किया । जिससे प्रख्यात राष्ट्रीय संगीतकार नरेन्द्र जैन ने अपनी अनूठी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समां बांधे रखा। भव्य आयोजन में सांस्कृतिक मंत्री सुनीता गंगवाल संगठन मंत्री अनीता सौगानी के नेतृत्व में कार्यक्रम में पधारने वाले सभी साधर्मी बंधुओ का दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान करने के पश्चात उपस्थित सभी श्रावक श्राविकाओं ने दीप प्रज्वलित करने का अवसर प्राप्त किया। भक्तामर दीप अनुष्ठान समापन के साथ ही दिनेश ममता ने 108 दीपकों से महाआरती की एवं उपस्थित सभी धार्मिक बंधुओ के लिए लक्की ड्रा का आयोजन भी रखा गया। जिसमें वृत्तिका पापडीवाल की ओर से प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिये गये।

# तन को नहीं मन को सजाओ-मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

इंदौर। किसी के भी प्रति मन में अशुभ भाव मत लाओ, मन को अच्छा रखो और इस बात का भी ध्यान रखो कि आपके मन की अशुचिता से दूसरे का मन अशुद्ध ना हो। आजकल लोग शरीर के राग में तन को सजाने में लगे रहते हैं जबकि जरूरी तन को नहीं मन को सजाना है, जिसका मन अच्छा होता है उसका सब कुछ मंगल होता है। यह उद्गार बुधवार को श्रुत संवेगी मनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने समोशरण मंदिर कंचनबाग में स्वर्ण वेदी स्थापना समारोह के दूसरे दिन धर्मसभा में व्यक्त किए। मुनि श्री ने आगे कहा कि पर के प्रति अशुभ सोचने से पाप का आश्रव होता है। पर को पीड़ित करने का भाव बनाकर तुम ना तो पर को पीड़ित कर पाओगे और ना कुछ बिगाड़ पाओगे लेकिन ऐसे भाव करने से तुम अपने भाव और भव जरूर बिगाड़ लोगे जिसका फल तुम्हें अवश्य भोगना पड़ेगा। अंत में ढंग का जीवन जीने की सीख देते हुए मुनि श्री ने कहा कि बिना किसी जानकारी के सुनी सुनाई बातों को सच मानकर ना तो किसी की निंदा करो,न अपशब्द बोलो और न अपवाद करो। आपके शब्द आपके भावों की अभिव्यक्ति हैं इसलिए हमेशा अच्छे शब्दों का प्रयोग करो और प्यार से बोलो। यदि तुम्हारे मन माफिक अच्छा नहीं हुआ है तो नाराज होने के बजाय इग्नोराय नमः इस सूत्र को ध्यान में रखकर उसका पालन करो जीवन सुखी हो जाएगा। प्रारंभ में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के चित्र का अनावरण एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन राजकुमार पाटोदी, डॉक्टर आशारानी पांड्या, डॉक्टर जैनेंद्र जैन एवं कीर्ति पांड्या ने किया। समोशरण ग्रुप ने मुनि संघ का पाद प्रक्षालन किया एवं महिला एवं बहू मंडल ने मुनि संघ को शास्त्र भेंट किए। धर्म सभा का संचालन हंसमुख गांधी ने किया। इस अवसर पर अरुण सेठी, आजाद जैन, अशोक खासगी वाला , कैलाश वेद, देवेंद्र सेठी आदि समाज के गणमान्य उपस्थित थे ।प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरुवार को प्रातः 7:00 से नित्य नियम अभिषेक पूजन शांति धारा एवं शांतिनाथ भगवान के जन्म तप और मोक्ष कल्याण के उपलक्ष में श्री जी के समक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा एवं स्वर्ण बेदी पर विराजित विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणी की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक होगा एवं मुनि श्री के प्रवचन होंगे।

# आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का शोंपिग सेन्टर कोटा में हुआ मंगल प्रवेश

**कोटा. शाबाश इंडिया।** प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ कोटा में धर्म की ध्वजा फहराते हुये एक कालोनी से दूसरी कालोनी में कार्यक्रमों को गतिविधि प्रदान करते हुए बढ़ रही हैं । कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार 17 मई को शोपिंग सेंटर कालोनी कोटा को गुरु मां ससंघ का सानिध्य मिला। भक्तों ने गुरू मां ससंघ की भावभीनी अगवानी की। पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात पूज्य माताजी का मंगलमय उद्बोधन हुआ। माताजी ने अपने प्रवचनों में ध्यान के बारे में समझाते हुए कहा कि - जीवन में ध्यान का बहुत अधिक महत्व है। मनुष्य की सामान्य जीवनचर्या ध्यान द्वारा नवदृष्टि प्राप्त करती है। ध्यान की गंभीरता व गंभीर स्थिरता व्यक्ति के चारों ओर सकारात्मक स्थितियों का निर्माण करती है। इससे क्रोध, काम, लोभ और मोह के बंधनों से मुक्ति मिलती है। ध्यानस्थ रहकर नकारात्मक मनोभावों पर नियंत्रण का अभ्यास होता है। हमारे जैन मुनियों तीर्थंकरों ने इसी ध्यान पर अपने मन को केन्द्रित कर शिवपुर अर्थात मोक्ष को प्राप्त किया। साधुओं के लिए 2 कर्तव्य मुख्य है सामायिक और ध्यान। ध्यान के कारण शरीर की आतंरिक क्रियाओं में विशेष परिवर्तन होते हैं और शरीर की प्रत्येक कोशिका प्राणतत्व ( ऊर्जा ) से भर जाती है। शरीर में प्राणतत्व के बढ़ने से प्रसन्नता, शांति और उत्साह का संचार भी बढ़ जाता है। ध्यान मस्तिष्क के आतंरिक रूप को स्वच्छ व पोषण प्रदान करता है। जब भी आप व्यग्र, अस्थिर और भावनात्मक रूप से परेशान होते हैं तब ध्यान आपको शांत करता है। ध्यान करने से हमारा मन स्थिर होता है । जिससे हम किसी भी कार्य को बेहतरीन तरीके से कर सकते हैं। लेकिन ध्यान करने से पहले हमें पर की बुराइयों से दृष्टि हटाना पडेगी। जब तक हमारे मन में बुराइयां हैं, जब तक हम खुद के बारे में सोचते रहेंगे, तब तक मन शांत नहीं हो सकता है। मानसिक तनाव दूर करने के लिए इन बुराइयों से बचना होगा। तभी हम ध्यान कर सकते हैं। आज के मानव की स्वार्थ की दृष्टि बन गई हैं । वह सदैव स्वयं के बारे में ही सोचता रहता है जिसके कारण आज हम ऊंचाईयों को नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। अतः मेरा सभी जैन समाज से ही नहीं अपितु संसार के प्रत्येक प्राणियों से यही कहना है जीवन में अपने स्वार्थ को छोड़कर सोच को ऊपर उठाओगे तो निश्चित रुप से कही न कही से आपका कार्य स्वयमेव ही सिद्ध हो जायेगा।

## महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर के सरंक्षक महेंद्र कुमार पाटनी ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल अस्त्रस्त्री७ द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर पूरे भारत वर्ष में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जा रहा है। सचिव राजेश बड़जात्या ने बताया कि इसी क्रम मे महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर द्वारा ,राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गाँधी नगर क्लब के पास, गाँधी नगर, जयपुर में 17 मई को सुबह 9 बजे 150 सेनेटरी नैपकिन व 150 पेन का स्कूल की बच्चियों में वितरण किया गया। उपाध्यक्ष डाक्टर राजेंद्र कुमार जैन ने अवगत कराया कि 150 पेन का वितरण उपाध्यक्ष सुरेश चंद एवं कनक देवी जैन बांदीकुई वालों के सहयोग से किया। सह सचिव सुनील कुमार बज ने बताया कि संघटन मंत्री डॉ ज्ञान चंद सोगानी ने सभी बालिकाओं को मासिक माहवारी के सन्दर्भ में उद्बोधन देकर समझाया । स्कूल की अध्यापिका राखी जी ने महावीर इंटरनेशनल का समाज हित मे किये गये कार्य के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

## वेद ज्ञान

### खराब आदतों को त्यागना विसर्जन

खराब आदतों को त्यागना ही विसर्जन है। काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकार हैं और जब हम इनका त्याग करते हैं तो यही विसर्जन है। साथ ही जहां खुद का ध्यान न रहे यानी इस आत्मतत्व को जब हम उस परमतत्व में विलीन कर देते हैं तो हम स्वयं का विर्सजन करते हैं। कोई भी मनुष्य न तो संपूर्णतः अच्छा है और न ही कोई सौ फीसद खराब। प्रत्येक मनुष्य में अच्छी और खराब दोनों आदतों का समावेश होता है, लेकिन प्रत्येक मनुष्य के जीवन का ध्येय यही होना चाहिए कि वह विकारों से दूर रहे। हमें हमेशा खराब आचरण को दूर करके सदाचरण को अपनाना चाहिए। बहुत से लोग नए साल में या किसी अन्य विशेष दिवस पर प्रण करते हैं कि वे अपनी समस्त खराब आदतें त्याग देंगे, लेकिन उनका प्रण दो-चार दिन में ही टूट जाता है। इसका कारण उनका मन है जिसे वे साध नहीं पाते और यही मन उन्हें विचलित कर देता है। इसके लिए अपनी इच्छाशक्ति भी दृढ़ करनी चाहिए। उसे मन से दृढ़तापूर्वक यह मानना चाहिए कि निश्चित तौर पर खराब आदतें दूर हो सकती हैं। खराब आदतें मनुष्य का चरित्र नहीं, बल्कि उसका स्वभाव है और वह इससे छुटकारा पा सकता है। विसर्जन का मतलब यही है कि ब्रह्मांड से हम आत्मतत्व के रूप में आए और फिर उसी में विलीन हो गए। कबीरदास जी से किसी ने पूछा कि यह आत्मा क्या है और मनुष्य के मरने के बाद यह कहां चली जाती है? कबीरदास जी ने कहा कि जैसे घड़े में आप पानी रखिए और उसे तालाब में रख दीजिए तो घड़े और तालाब का पानी अलग-अलग होगा, लेकिन जैसे ही घड़ा फूटता है वैसे ही भीतर का पानी तालाब में मिल जाता है। इसी तरह हमारा शरीर भी एक घड़ा है। आत्मा इसके अंदर जल के समान है। जैसे ही यह शरीर से निकलती है तो वह सागर रूपी ब्रह्मांड में मिल जाती है। मनुष्य को सोचना चाहिए कि जो कुछ भी दुनिया में चल रहा है यह सब प्रभु की संरचना है और इसमें हम मात्र एक खिलौने हैं। हम केवल अपना रोल निभाने आए हैं और अपने हिस्से का अभिनय करके चले जाएंगे। जब आपको हमेशा इस बात का ज्ञान और आभास रहता है कि इस दुनिया में जो कुछ भी है वह एक धोखा है और इसमें कुछ भी शाश्वत नहीं है तथा सभी कुछ अस्थाई है तभी मनुष्य स्वयं को विसर्जित कर पाता है।

## संपादकीय

### आत्मनिर्भरता की रक्षा पर फोकस जरूरी है...

केंद्र सरकार ने रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की जो घोषणा कई साल पहले कर दी थी, उसे इससे बल मिलेगा। रक्षा उपकरणों, प्रणालियों और पुर्जों के आयात के बजाय घरेलू स्तर पर बनी वस्तुओं की खरीद को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय ने चौथी सूची जारी की है, जिसमें नौ सौ अट्ठाईस उप-प्रणालियों और पुर्जों को चिह्नित किया गया है। इस तरह ढाई हजार वस्तुओं की खरीद घरेलू स्तर पर ही करने का संकल्प लिया गया है। इनमें से ज्यादातर पुर्जों और उप-प्रणालियों का घरेलू स्तर पर ही निर्माण किया जाता है और करीब बारह सौ वस्तुओं को अगले कुछ सालों में निर्मित और विकसित करने की योजना है। भारत आयुध सामग्री का बड़ा आयातक देश है, इस तरह उसे अपने बजट का काफी बड़ा हिस्सा रक्षा उपकरणों, प्रणालियों आदि को खरीदने पर खर्च करना पड़ता है। यहां तक कि छोटे-छोटे पुर्जों के लिए भी दूसरे देशों का मुंह जोहना पड़ता है। ऐसे में अगर उनका निर्माण और उनकी

खरीद घरेलू स्तर पर ही की जाती है, तो इससे कई लाभ होंगे। एक तो यह कि रक्षा सौदों में बिचौलियों पर निर्भरता खत्म होगी, दूसरे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। फिर आयात घटने से व्यापारिक घाटे का अंतर भी काफी कम होगा। पिछले साल थोड़े वक्त के लिए ही कुछ वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने से व्यापारिक घाटा पाटने में काफी मदद मिली थी। सबसे अहम बात कि केंद्र सरकार ने रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की जो घोषणा कई साल पहले कर दी थी, उसे इससे बल मिलेगा। रक्षा सामग्री के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ को सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका सकारात्मक नतीजा भी दिखने लगा है। कई विदेशी लड़ाकू विमानों से प्रतिस्पर्धा करते विमान बनाए जाने लगे हैं। इसी तरह उपकरणों और रक्षा प्रणालियों के मामले में गति आई है। स्वाभाविक ही इससे दूसरे देशों से महंगे दामों पर रक्षा उपकरणों की खरीद की बाध्यता कुछ कम हुई है। हालांकि आज जिस तरह रक्षा उपकरणों में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है, उसमें रूस, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों से रक्षा सामग्री की खरीद के लिए निर्भर रहना पड़ता है। मगर जैसे-जैसे हमारे यहां ऐसे लड़ाकू विमानों और रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा, वैसे-वैसे न सिर्फ दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भारत भी रक्षा सामग्री का बड़ा निर्यातक देश बनेगा। अब भी कुछ देश भारतीय लड़ाकू विमानों और कुछ रक्षा उपकरणों की खरीद में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इस तरह घरेलू स्तर पर बनने वाले पुर्जों और रक्षा प्रणालियों से इसे और बल मिलेगा। पहले छोटे-छोटे पुर्जों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, तब तक खराब उपकरण बेकार पड़े रहते थे। अब उनकी मरम्मत के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हालांकि रक्षा उपकरणों का उत्पादन और खरीद संवेदनशील मामला होता है। इसकी तकनीक और प्रणालियां गोपनीय ढंग से बनाई जाती हैं, इसलिए दूसरी वस्तुओं की तरह इसके उत्पादन का रास्ता नहीं खोला जा सकता। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

### शिक्षा और परीक्षा...

हर साल जब दसवीं और बारहवीं बोर्ड के नतीजों की घोषणा होती है, तो आमतौर पर सभी ओर चर्चा का मुख्य केंद्र यही होता है कि कुल नतीजे कितने फीसद आए और सबसे ज्यादा फीसद अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी कौन या कितने हैं। सालों से इस तरह की चर्चा सामाजिक अभ्यास में आ गई है और अब लोगों की प्राथमिक नजर इसी पर जाती है। जबकि इसी बीच विद्यार्थियों के बीच का एक छोटा हिस्सा बेहद निराशा या हताशा की स्थिति का सामना कर रहा होता है, जो किन्हीं वजहों से अच्छे अंक हासिल नहीं कर पाता या परीक्षा में उत्तीर्ण ही नहीं हो पाता है। चारों तरफ एक तरह के जश्न के माहौल में ऐसे विद्यार्थी खुद को एक नाकाम व्यक्तित्व के रूप में महसूस करते हैं और इससे उपजा तनाव कई बार उन्हें अवसाद या इसके घातक असर तक की हालत में डाल देता है। गौरतलब है कि इस साल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं के नतीजे आने के बाद अकेले दिल्ली में कम से कम चार विद्यार्थियों ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी कि उन्हें अच्छे या अपेक्षित अंक नहीं मिल सके थे। परीक्षा परिणाम आने के बाद देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी खबरें आती रही हैं। विडंबना यह है कि चारों ओर अंकों के ऊंचे प्रतिशत की बुनियाद पर टिकी कामयाबी के शोर में इस तरह की कुछ घटनाएं पीड़ित परिवारों के दुखी होने से इतर शायद ही कोई सार्वजनिक चिंता की वजह बन पाती हैं। यही वजह है कि सफलता-विफलता की इस परिभाषा के बीच पिछड़ने के भाव से उपजा एक दंश पलने लगता है, जिसकी मार कमजोर सामाजिक-भावनात्मक पृष्ठभूमि वाले बच्चों पर पड़ती है। सवाल है कि परीक्षा के नतीजों का असर इस हद तक पड़ना कितना उचित है कि कामयाबी या नाकामी का पैमाना ही यही हो जाए। आखिर ऐसी स्थिति क्यों बन रही है कि किन्हीं वजहों से अगर कोई विद्यार्थी नब्बे-पंचानबे फीसद से कम अंक हासिल कर पाता है तो खुद को कामयाबी के दायरे में पिछड़ा मान लेता है और इससे उपजे तनाव में अपने जीवन तक को खारिज कर देता है? इस मुश्किल स्थिति के लिए क्या केवल उनकी नाकामी जिम्मेदार होती है? या फिर विफलता को लेकर सामाजिक धारणाएं और व्यवस्थागत प्रतिक्रिया ऐसे दबाव पैदा करती हैं, जिसे सह पाना कई विद्यार्थियों के लिए असंभव हो जाता है? इस तरह धारणाएं किन परिस्थितियों की उपज होती हैं कि ऊंचे अंक ही सफलता का पर्याय हैं? सच यह है कि ऐसे अनेक उदाहरण आसपास बिखरे पड़े हैं, जिसमें कम अंक लाने या उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाने वाला कोई विद्यार्थी प्रतिभा और कौशल के मामले में ऊंची शिक्षा और ऊंचे अंक वाले विद्यार्थियों के मुकाबले बेहतर साबित होता है। यों अक्सर ऐसी सूक्तियों का हवाला दिया जाता रहता है कि नाकामी दरअसल कामयाबी की सीढ़ी है लेकिन क्या नाकामी को लेकर सामूहिक सामाजिक धारणा इस सूत्र का खयाल रखना जरूरी समझती है? कहने को स्कूलों में कई स्तर पर भावनात्मक मुश्किलों से जूझने वाले विद्यार्थियों की सहायता के लिए काउंसिलिंग या मनोवैज्ञानिक सलाह देने की व्यवस्था की बात होती है, मगर इसका अपेक्षित असर नहीं देखा जाता है जबकि कामयाबी की होड़ में ऐसी हालत बनती गई है, जिसमें समय पर मनोवैज्ञानिक सलाह के लिए एक ठोस तंत्र की जरूरत महसूस की जाती है। एक अहम पहलू यह है कि किसी भी समुदाय में कामयाब माने जाने वाले लोगों की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे अपने से कमजोर माने जाने वाले लोगों की अंगुली पकड़ कर अपने बराबर लाने की कोशिश करें।

# विशाल भजन संध्या और सामूहिक नमोकार जाप का भव्य आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री दिगम्बर जैन शांतिनाथ मंदिर लाल कोठी (एवरेस्ट कॉलोनी, जयपुर) के तत्वावधान में भगवान शांतिनाथ के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक के शुभ अवसर पर जैन धर्म और जैन समाज की प्रभावना के लिए कटिबद्ध पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था ''सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फैडरेशन जयपुर'' द्वारा विशाल भजन संध्या एवं सामूहिक णमोकार जाप कार्यक्रम का आयोजन बुधवार, 17 मई, 2023, रात्रि 7.30 बजे से प्रांगण (श्री दिग. जैन शांतिनाथ मंदिर, लालकोठी, जयपुर में किया गया। इस विशेष आयोजन में सुप्रसिद्ध गायक कलाकारों संजय रायजादा एबीसीएल फैम, डॉ. गौरव जैन सारेगामा फेम, दीपशिखा जैन गुरुकुल फैम, अशोक गंगवाल संस्थापक गायक (एसजेए), साक्षी जैन फैम युवा गायिका, समता गोदिका एवम रिया गोधा ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित श्रावको को मंत्र मुग्ध कर दिया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अध्यक्ष एडवोकेट निहालचंद सौगाणी, उपाध्यक्ष व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जी. सी. सौगाणी, उपाध्यक्ष मंजू छाबड़ा, मंत्री प्रदीप जैन एवं सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश- नीलू गोधा, महामंत्री धीरज-सीमा पाटनी व कोषाध्यक्ष संजय -साधना काला ने गायक कलाकारो तथा महावीर जी कमेटी के मंत्री महेंद्र पाटनी, महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी का माल्यार्पण कर सम्मान किया। कार्यक्रम में विनोद कोटखावदा, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका, बापू नगर संभाग के मंत्री राजेंद्र जैन, निर्मल संघी, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, निर्मल पांड्या, डॉक्टर शीला जैन, राजेश चौधरी आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने 101 परिंडे वितरित किये

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सामाजिक कार्यों की श्रंखला के अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा दिनांक 16मई 2023 को शाम 6 बालाजी मंदिर पत्रकार कॉलोनी मे 101 परिंडे का वितरण किया गया । कार्यक्रम मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर अभय गंगवाल पूर्व अध्यक्ष , प्रमोद पाटनी, विशूतोष चांदवाड, मुनिया सोगानी एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे ।

# महासमिति पश्चिम संभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर द्वारा मल्टी स्पेशलिटी शेल्बी हॉस्पिटल वैशाली नगर जयपुर में निशुल्क चिकित्सा परामर्श जांच शिविर एवं विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन रखा गया। शिविर में डॉक्टर मनीष चौधरी फिजीशियन, डॉक्टर अमित गुप्ता कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ नितिन गोयल स्पाइनल डिजीज, डॉक्टर निष्ठा जैन न्यूरोलॉजिस्ट, डॉक्टर पंकज गुलाटी अस्थमा एवं श्वास रोग विशेषज्ञ द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई। संभाग अध्यक्ष निर्मल संघी ने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी, एवं बीएमडी की निशुल्क जांच कराई गई थी। प्रत्येक रजिस्ट्रेशन कराने वाले सदस्य को हॉस्पिटल द्वारा हॉस्पिटल का एक प्रतीक चिन्ह कॉफी

मग के रूप में भेंट किया गया महेंद्र छाबड़ा मंत्री ने अवगत कराया की इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या, आंचलिक अध्यक्ष अनिल जैन, आंचलिक महामंत्री महावीर बाकलीवाल, आंचलिक कार्याध्यक्ष डॉक्टर णमोकार जैन, उपाध्यक्ष मनीष बैद, उपाध्यक्ष सुनील बज, मंत्री शांति काला की भी गरिमामय उपस्थिति रही। श्री विनोद बाकलीवाल ने अवगत कराया कि रजिस्ट्रेशन के साथ ही चाय का वितरण चल रहा था तथा 11:30 तक जांच जारी थी तदोपरांत डॉक्टर्स की परिचर्चा आयोजन रखा गया था सभी डॉक्टर्स को, हॉस्पिटल को तथा असिस्टेंट मैनेजर मिस्टर संजय मिश्रा एवं मिस्टर राघवेंद्र को दिगंबर जैन महासमिति का प्रतीक चिन्ह, माल्यार्पण कर एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। अन्य संभागों में श्री पवन जैन झोटवाड़ा संभाग के अध्यक्ष की भी गरिमा मई उपस्थिति रही। श्री विजय पांड्या बापू नगर इकाई के अध्यक्ष के साथ ही पश्चिम संभाग के अन्य सदस्यों की गरिमा में उपस्थिति दर्ज की गई।

## महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सिद्ध किया अपने आपको सर्वोत्तम

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए। 12वीं कक्षा के विज्ञान वर्ग के छात्रों में अंश भार्गव (96.20%), अब्दुल हादी (95.20%), देवांश त्रिवेदी (93.60%), हिमांक जैन (93%), सौरभ कृपलानी (91.40%) तथा वाणिज्य वर्ग के छात्रों में कुशाग्र गुप्ता (96%), कृतिका जैन (95.40%), दिशा जैन (95.20%), पीयूष जैन (95.80%), गुंजन गुप्ता (94%) इसके साथ ही 10वीं कक्षा के छात्रों में निकुंज अग्रवाल (98.20%), चेरिश जैन(97%), नंदिनी रांगा(95.80%), शौर्य गुप्ता (95.80%), वेदांत जैन (95.80%) अव्वल रहे। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया तथा प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर उन्हें तिलक लगाकर, माला पहनाकर व मुंह मीठा करवाकर बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि महावीर स्कूल के विद्यार्थी जयपुर शहर के साथ-साथ पूरे देश में ही नहीं अपितु विश्व भर में स्कूल का नाम रोशन करेंगे तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और हमें तब अत्यधिक प्रसन्नता होगी जब हम मुख्य अतिथि के रूप में महावीर पब्लिक स्कूल के उन विद्यार्थियों को निमंत्रण देंगे जो कि संसार के बड़े-बड़े पदों को सुशोभित कर रहे होंगे।

# जेएसजी यूनिवर्स का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोश्यल ग्रुप यूनिवर्स जयपुर का भव्य शपथ ग्रहण समारोह को स्टार्डम रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। भव्य समारोह में दीक्षांत हाड़ा ने अध्यक्ष, अंकुर जैन ने सचिव पद, अंचल जैन उपाध्यक्ष, गौरव जैन सह सचिव, अंकित जैन कोषाध्यक्ष और उनकी सम्पूर्ण टीम ने 2023-25 के लिए शपथ ली। कार्यक्रम में जेएसजीआईएफ के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन, जेएसजी इंटरनेशनल फेडरेशन सचिव महेंद्र गिरधरवाल, जेएसजी नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन श महेन्द्र सिंघवी , चेयरमैन इलेक्ट राजीव पाटनी, सचिव सिद्धार्थ जैन, पूरी नॉर्दर्न रीजन टीम, नॉर्दर्न रीजन के पूर्व चेयरमैन, जेएसजी वीनस अध्यक्ष नितिन जैन एवं उनकी सम्पूर्ण टीम की गोरवमय उपस्थिति में जेएसजी यूनिवर्स जयपुर का प्रथम शपथ ग्रहण समारोह संपन्न करवाया। कार्यक्रम में पूल पार्टी के साथ 10th-12th में 90% से अधिक आये यूनिवर्स परिवार के सभी बच्चो का सम्मान किया गया। भव्य शपथ समारोह के बाद सागर लालवानी लाइव म्यूजिकल कंसर्ट का आयोजन हुआ। सभी सदस्यों नाईट स्टे रिसोर्ट में ही रखा गया।

# सात दिवसीय सूत्रधार कार्यशाला संपन्न

## आत्मविश्वास, बेहतर समझ और शब्द ज्ञान की त्रिवेणी बही एंकरिंग वर्कशॉप में

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा बागौर की हवेली में चल रही सात दिवसीय सूत्रधार कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर सभी युवा प्रतिभागियों ने विगत सात दिनों में विषय विशेषज्ञों से सीखी मंच संचालन की बारीकियों को ध्यान में रखकर अपने अपने अंदाज में एंकरिंग का प्रदर्शन भी किया। इससे पूर्व तमाम प्रतिभागियों ने इस निशुल्क कार्यशाला को लेकर फीडबैक भी दिए। ज्यादातर प्रतिभागी इस कार्यशाला के सफल आयोजन और व्यवस्थाओं से खुश थे। वहीं कुछ प्रतिभागी ने इसकी समयावधि को लेकर टिप्पणी करते इसे कम से कम पंद्रह दिन तक जारी रखने का सुझाव दिया। कमोबेश सभी प्रतिभागी इस एंकरिंग वर्कशॉप की कार्ययोजना और विषय वस्तु से बेहद संतुष्ट नजर आए। इस खास मौके पर एम. एस. यूनिवर्सिटी में ड्रामेटिक्स डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. त्रिलोक सिंह मेहरा, कार्यशाला के सह समन्वयक दुर्गेश चान्दवानी एवं वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की समीक्षा का लेखाजोखा प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने भी सभी प्रतिभागियों की एंकरिंग स्किल को देखकर संतोष व्यक्त करते उन्हें धरोहर प्रोग्राम संचालित करने का न्यौता दिया। बाद में केंद्र की ओर से सभी प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।
**रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

# श्री मुलतान दिगम्बर जैन मंदिर आदर्श नगर जयपुर में धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन 15 से 25 मई तक

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री मुलतान दिगम्बर जैन मंदिर आदर्श नगर जयपुर में धार्मिक संस्कार शिविर का आगाज चित्र अनावरण व मंगलाचरण से हुआ सभी शिविरार्थियों का स्वागत चंदन का तिलक लगाकर किया । समारोह में चित्र अनावरण समाज श्रेष्ठी फूलचन्द ,सुभाष , अनिल जैन द्वारा किया गया। सांगानेर श्रमण संस्कृति संस्थान की विदुषी सुश्री दृष्टि जी का तिलक श्रीमती प्रकाश देवी व माल्यार्पण सुलोचना नीतू जैन द्वारा किया गया। मंगलाचरण की प्रस्तुति वर्ष भर चलनेवाली पाठशाला के बच्चों द्वारा किया गया । मंदिर जी के गणमान्य श्रावकों की उपस्थिति में बच्चों को पाठ्यक्रम और प्रभावना वितरित की गई। शिविर में 15 मई से 25 मई तक मंदिर जी में बच्चो व बड़ों को जैन धर्म की शिक्षा दी जाएंगी। यह एक अद्भुत शिविर है जिसमें एक साथ चार पीढ़ियाँ ज्ञान वर्धन कर रही हैं । विदुषी दृष्टि दीदी ने अपनी औजसमयी वाणी से सबका मन मोह लिया। जब वाणी के साथ चारित्र जुड़ जाता है तो श्रोता पर गहरा प्रभाव पड़ाता है ।यह यथार्थ में आपकी कक्षा में सभी शिरार्थियो ने अनुभव किया।

# बालिका छात्रावास की अधिष्ठा श्रीमती शीला डोडिया ने किया दुर्गापुरा शिविर का अवलोकन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा में चल रहे धार्मिक शिक्षण शिविर का अवलोकन श्रीमती शीला डोडया, श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, श्रीमती सुशीला छाबड़ा ने अपनी टीम के साथ किया। शिविर में पंडित अजीत शास्त्री तत्वार्थ सूत्र की क्लास ले रहे हैं। बालिका छात्रावास की विदुषी बालिकाएं सुश्री भव्या जैन, सुश्री अनुभा जैन एवम सुश्री सिमी जैन पहला तथा दूसरा भाग छहढ़ाला की क्लास ले रही है। इस अवसर पर शीला डोडिया ने क्लास में बच्चों से प्रश्न भी पूछे ।शिविर आयोजक त्रिशला संभाग की श्रीमति चंदा सेठी ने बताया कि आज के पुरस्कार वितरण कर्ता श्रीमती सीमा- मनोज बाकली वाल थे।

# सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल महाकुंभ

## हाफ मैराथन दौड़ में 372 धावकों ने लिया हिस्सा। केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिखाई हरी झंडी, देश प्रेम का जगाया जजवा

**अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया**

**अजमेर।** सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल महाकुंभ 2023 के चौथे दिन मंगलवार को हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर हाफ मैराथन दौड़ की शुरूआत की। हाफ मैराथन पुरानी चौपाटी आनासागर लिंक रोड से शुरू होकर नई चौपाटी पर समाप्त हुई। इस मौके पर धावकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान महान योद्धा थे। जिनका नाम इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। हम सभी लोगों को उनके बताए मार्ग पर चलना है एवं इसके साथ ही उनके जीवन चरित्र का अनुसरण करना है। युवाओं को उनके जीवन से साहस, वीरता, कुशल शासन इत्यादि को समझते हुए आगे बढ़ना चाहिए। हिन्दू सम्राट चौहान की देश भक्ति और शूरवीरता से नई पीढ़ी को अवगत करने की जरूरत है। अपना इतिहास जानकार ही भावी पीढ़ी में देश की माटी के प्रति प्रेमभाव जाग्रत होगा। सम्राट पृथ्वीराज चौहान भारत के गौरव हैं जिन पर सबको गर्व है।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# लेकसिटी में सूर्यांश सदस्याओं ने दिखाया दस का दम

## जरूरतमंद महिला सब्जी विक्रेताओं को भेंट किए हाथ ठेले

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** सूर्यांश क्लब द्वारा ओरिएंटल पैलेस रिजॉर्ट में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में निवृत्ति कुमारी मेवाड़ के मुख्य आतिथ्य में 10 गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के प्रयोजन से हाथ ठेले (50 किलो आलू एवं 50 किलो प्याज सहित) भेंट स्वरूप दिए गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क किनारे या गली मोहल्ले में फुटकर सब्जी बेचने वाली इन महिलाओं के जज्बे को सलाम किया जाना चाहिए। साथ ही सूर्यांश क्लब और सभी सदस्याओं को इस पहल के लिए बधाई भी दी। कार्यक्रम के दौरान निवृति कुमारी मेवाड़ ने तमाम लाभार्थी महिलाओं संग बैठकर मेवाड़ी में उनकी परिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक स्थिति के बारे में जाना। साथ ही उपस्थित कुछ महिला सदस्याओं के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का बखूबी समाधान भी किया। पॉलिटिक्स में एंट्री को लेकर वे बोलीं अभी कुछ सोचा नहीं है, नियति क्या चाहती है... देखा जाएगा। शहर की सुंदरता को लेकर उनका कहना था कि हर बात के लिए सरकार या प्रशासन को कोसना ठीक नहीं है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि कुदरत की इस नायाब नियामत (झीलों और पहाड़ों) को मिलकर सहेजें। बालिका शिक्षा वाले एक प्रश्न के उत्तर में निवृति कुमारी मेवाड़ ने कहा कि राजपरिवार इस बारे में बरसों और पीढ़ियों से सचेष्ट रहा है। हम सभी आगे भी इस परम्परा को जारी रखना चाहते हैं। इससे पूर्व सूर्यांश क्लब अध्यक्ष शकुंतला पोरवाल ने सभी अतिथियों का शब्द पुष्प से स्वागत किया। वहीं संस्थापिका मधु सरीन ने संस्था की गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय कराते बताया कि इसी क्रम में जल्द ही गोदान कार्यक्रम की रूपरेखा को भी साकार किया जाएगा। इसके अलावा गरीब छात्राओं को निशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग, ब्यूटीशियन कोर्स, फोटोग्राफी, पाक कला की ट्रेनिंग देने तथा मदार गांव में 3 स्कूलों में रेन हार्वेस्टिंग लगाने आदि योजनाओं का भी जिक्र किया। बाद में कार्यक्रम अध्यक्ष प्रीता भार्गव, विशिष्ट अतिथि पीडीजी निर्मल सिंघवी, डॉ.स्वीटी छाबड़ा और डॉ. श्रद्धा गट्टानी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का आगाज सुरभि धींग और उर्वशी सिंघवी ने ईश वन्दना से किया। कार्यक्रम में राजकुमारी गांधी, संध्या भट्ट, सविता महिंद्रा, रेनू गोयल, आशा बक्शी सहित अन्य कई सदस्याएं और कई गणमान्य मौजूद थे। अंत में क्लब सचिव हमीदा भालमवाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन विजय लक्ष्मी गलुंडिया ने किया। **ये सभी महिलाएं बनीं ठेला लाभार्थी:** मुन्नी देवी, कंकु बाई, शंभू बाई, कंचन बाई, चुनकी बाई, रेशमा बीवी, गणेशी बाई, इंदिरा गमेती, लोगर बाई और शोभा बाई।

**रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'**

# श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, हीरा पथ मानसरोवर में धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन महिला महा समिति राजस्थान अंचल प्रथम संभाग मानसरोवर की अध्यक्ष तारामणी गोधा ने बताया कि श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर , हीरा पथ मानसरोवर, जयपुर में धार्मिक संस्कार शिविर का तीसरे दिन 17 मई को दीप प्रज्वलन मुकेश - पिंकी कासलीवाल व श्रीमती कमला मा नरेश गोधा परिवार के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। सांगानेर बालिका छात्रावास से आई विदुषी काजल ,अंजलि ने सच्चे देव का स्वरुप बहुत ही सरल व अच्छे तरीके से समझाया बच्चों में उत्साह बढ़ रहा है। मंदिर जी के गणमान्य श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति में बच्चों को प्रभावना वितरित की गई हम सभी साधर्मी जन का आभार प्रकट करते हैं कि आपका सहयोग हमेशा हमें मिलता रहेगा अंत में जिनवाणी स्तुति की गई।

प्रिय श्री एस के जैन साहब

को 60वे जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं

खुदा से यही दुआ हैं हमारी, उम्र बहुत लंबी हो तुम्हारी, अभी तो हुए हैं बस साठ वर्ष पूरे, सदियों की सौगात रहे झोली में तुम्हारी

शुभेच्छु: राजेश - अंजना, दिनेश - मीतू, राकेश - समता गोदिका, राज गंगवाल एवम समस्त गोदिका परिवार


# नटाटा के दिगम्बर जैन मंदिर में की पूजा अर्चना

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** मधुबन कालोनी के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नटाटा आमेर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान पूरे प्रदेश में एकमात्र एक फण की अति प्राचीन एवं अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा सहित जयपुर एवं आमेर के प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिरों के दर्शन कर धर्म प्रभावना की। इस धार्मिक यात्रा के समापन पर नटाटा आमेर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। मंदिर समिति अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया दर्शन लाभ हेतु मधुबन, टौकफाटक से समाजसेवी सावन सेठी के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालुओं का जत्था बसों द्वारा रवाना होकर नटाटा आमेर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचा। जहां पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए।

# मित्तल हॉस्पिटल, अजमेर में आयोजित हुई रंगोली प्रतियोगिता

# रंग अपने आप में सम्पूर्ण भाषा: अनुज पिंगोलिया

**अजमेर. शाबाश इंडिया**

**मित्तल हॉस्पिटल ने मातृ–दिवस पर कर्मचारियों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन रखकर बहुत ही श्रेष्ठ काम किया है। प्रतियोगिता के प्रारंभ में निर्णायक अतिथियों ने डायरेक्टर डॉ दिलीप मित्तल एवं मनोज मित्तल से मुलाकात की।**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनुज पिंगोलिया ने कहा कि जीवन में रंगों का विशेष महत्व होता है। रंग अपने आप में सम्पूर्ण भाषा है। जिविकोपार्जन के मौजूदा तनावपूर्ण दौर में अपनी संस्कृति और संस्कार से जुड़ाव रखते हुए माँ के प्रति अपने भाव, भावना और संवेदना को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त कर प्रतियोगियों ने जो रंगोली बनाई है उससे उनके अन्तर्मन की सुंदरता और खूबसूरती ही बाहर आई है। क्योंकि व्यक्ति जितना भीतर से स्वच्छ और सुंदर होता है वह बाहर से समाज को वही परोसता है। डॉ पिंगोलिया मित्तल हॉस्पिटल, अजमेर में मातृ–दिवस के अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता का निर्णय कर रहे थे। निर्णायक मंडल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेलवे हॉस्पिटल डॉ ए. सरकार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ मधु माथुर, पैथोलॉजिस्ट डॉ मधु काबरा, कान–नाक–गला रोग विशेषज्ञ डॉ रचना जैन शामिल थे। इस मौके पर रेलवे हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ए. सरकार ने कहा कि मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों के द्वारा मरीजों को जिस समर्पित भाव से सेवाएं दी जाती हैं यह इस रंगोली प्रतियोगिता की स्वस्थ परम्परा, सुंदर प्रस्तुति की सकारात्मक भावना से प्रदर्शित होती है। उन्होंने कहा कि रंग जीवन में सकारात्मक ऊर्जा देते है। मित्तल हॉस्पिटल ने मातृ–दिवस पर कर्मचारियों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन रखकर बहुत ही श्रेष्ठ काम किया है। प्रतियोगिता के प्रारंभ में निर्णायक अतिथियों ने डायरेक्टर डॉ दिलीप मित्तल एवं मनोज मित्तल से मुलाकात की। डॉ मित्तल ने उन्हें स्मृति चिंह भेंट किया। हॉस्पिटल के सीईओ एस.के जैन, वाइस प्रेसीडेंट श्याम सोमानी, डीजीएम विजय रांका, मैनेजर मार्केटिंग युवराज पाराशर, ऑफीसर हाऊसकीपिंग एंड बायोमेडिकल वेस्ट हेमराज महावर ने निर्णायकों का अभिनन्दन किया।

## प्रतियोगिता में यह रहे विजेता.....

एमएचआरसी मातृ–दिवस रंगोली प्रतियोगिता 2023 में प्रथम स्थान पर मित्तल कॉलेज ऑफ नर्सिंग से अलिशा जैरी सतलारकर, योगिता थोमारे रही, द्वितीय हाऊसकीपिंग से मदन मोहन तथा तृतीय स्थान पर सिक्योरिटी से सीमा धारीवाल एवं ज्योति रही।

## कुल बारह प्रतियोगी टीमों ने लिया हिस्सा...

रंगोली प्रतियोगिता में मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अजमेर के विभिन्न विभागों व ग्रुप के संस्थानों में कार्यरत बहुत सी प्रतियोगी टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें विभागीय स्तर पर एकल और युगल प्रतियोगी भी शामिल हुए। जिनमें मित्तल कॉलेज ऑफ नर्सिंग से अलिशा जैरी सतरालकर व योगिता थोमारे, ने युगल रूप में भाग लिया। फ्रंट ऑफिस से अंकिता शर्मा ने एकल प्रतियोगी के रूप में, ऋतु उपाध्याय व मनीषा लालवानी तथा सोनम रिजवानी व दीपा खेलानी ने युगल रूप में भाग लिया। हाऊसकीपिंग से मदन मोहन, मोनिका तम्बोली ने एकल रूप में तथा प्रमिला गहलोत एवं गौरी बैरवा तथा शीतल व नौरत मेघवाल ने युगल प्रतियोगी के रूप में भाग लिया। सिक्योरिटी से सीमा धारीवाल एवं ज्योति ने युगल प्रतियोगी के तौर पर, नर्सिंग से सुनीता उदयीगारिया ने एकल तथा कॉरपोरेट विभाग से वंदना एच भार्गव एवं कविता शर्मा ने युगल प्रतियोगी के रूप में हिस्सा लिया।